



निबंधन संख्या पी0टी0-40

# बिहार गजट

## बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

संख्या 12 पटना, बुधवार, 1 चैत्र 1939 (श0)  
22 मार्च 2017 (ई0)

विषय-सूची		पृष्ठ
भाग-1—नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य व्यक्तिगत सूचनाएं।	2-2	
भाग-1-क—स्वयंसेवक गुल्मों के समादेष्टाओं के आदेश।	---	
भाग-1-ख—मैट्रीकुलेशन, आई0ए0, आई0एससी0, बी0ए0, बी0एससी0, एम0ए0, एम0एससी0, लॉ भाग-1 और 2, एम0बी0बी0एस0, बी0एस0ई0, डीप0-इन-एड0, एम0एस0 और मुख्तारी परीक्षाओं के परीक्षा-फल, कार्यक्रम, छात्रवृत्ति प्रदान, आदि।	---	
भाग-1-ग—शिक्षा संबंधी सूचनाएं, परीक्षाफल आदि	---	
भाग-2—बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और नियम आदि।	3-5	
भाग-3—भारत सरकार, पश्चिम बंगाल सरकार और उच्च न्यायालय के आदेश, अधिसूचनाएं और नियम, 'भारत गजट' और राज्य गजटों के उद्धरण।	---	
भाग-4—बिहार अधिनियम	---	
भाग-5—बिहार विधान मंडल में पुरःस्थापित विधेयक, उक्त विधान मंडल में उपस्थापित या उपस्थापित किये जानेवाले प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और उक्त विधान मंडल में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।	---	
भाग-7—संसद के अधिनियम जिनपर राष्ट्रपति की ज्येष्ठ अनुमति मिल चुकी है।	---	
भाग-8—भारत की संसद में पुरःस्थापित विधेयक, संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में उपस्थापित प्रवर समितियों के प्रतिवेदन और संसद में पुरःस्थापन के पूर्व प्रकाशित विधेयक।	---	
भाग-9—विज्ञापन	---	
भाग-9-क—वन विभाग की नीलामी संबंधी सूचनाएं	---	
भाग-9-ख—निविदा सूचनाएं, परिवहन सूचनाएं, न्यायालय सूचनाएं और सर्वसाधारण सूचनाएं इत्यादि।	---	
पूरक	---	
पूरक-क		6-9

# भाग-1

## नियुक्ति, पदस्थापन, बदली, शक्ति, छुट्टी और अन्य वैयक्तिक सूचनाएं

### वाणिज्य-कर विभाग

अधिसूचना

15 मार्च 2017

सं० 6/सं-1-01/2016-903/(वा०कर)—बिहार वित्त सेवा के अधोलिखित पदाधिकारियों को वाणिज्य-कर पदाधिकारी (9300-34,800+ग्रेड पे 5, 400रु०) के पद पर उनके नाम के सामने कॉलम-5 में अंकित तिथि से सेवा सम्पुष्ट किया जाता है:—

क्र० सं०	पदाधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापन	जन्म तिथि	सम्पुष्टि की तिथि
1	2	3	4	5
1	श्री सिकन्दर साव	दरभंगा अंचल, दरभंगा।	05.07.1979	20.11.15
2	श्री सुकेश कुमार	अन्वेषण ब्यूरो तिरहुत प्रमंडल, मुजफ्फरपुर।	01.03.1984	16.12.15
3	श्री उमापति नारायण	गोपालगंज अंचल, गोपालगंज।	02.01.1981	22.11.15
4	श्री मुकेश कुमार चौधरी	समेकित जाँच चौकी कर्मनाशा।	19.04.1978	29.11.15

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
(ह०) अस्पष्ट, उप-सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट, 1—571+10-डी0टी0पी0।  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>

## भाग-2

### बिहार-राज्यपाल और कार्याध्यक्षों द्वारा निकाले गये विनियम, आदेश, अधिसूचनाएं और नियम आदि।

सं० स्था० 1/वि० 3-72/2016/368

योजना एवं विकास विभाग  
(अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय)

#### संकल्प

1 मार्च 2017

योजना एवं विकास विभाग के अन्तर्गत अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय के अराजपत्रित कर्मचारियों के नियमित प्रोन्नति एवं बिहार राज्य सुनिश्चित वृत्ति उन्नयन योजना नियमावली, 2003 तथा रूपांतरित सुनिश्चित वृत्ति उन्नयन योजना 2010 के तहत वित्तीय उन्नयन के लाभ की स्वीकृति, हेतु प्रोन्नति-सह-स्क्रीनिंग समिति का पुर्नगठन निम्न प्रकार किया जाता है:-

- |   |   |         |
|---|---|---------|
| 1. प्रधान सचिव/सचिव, योजना एवं विकास विभाग          | — | अध्यक्ष |
| 2. निदेशक, अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय              | — | सदस्य   |
| 3. वरीय संयुक्त निदेशक, अर्थ एवं सांख्यिकी निदेशालय | — | सदस्य   |
| 4. आंतरिक वित्तीय सलाहकार, योजना एवं विकास विभाग    | — | सदस्य   |
| 5. सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा मनोनीत              |   |         |
| अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के पदाधिकारी         | — | सदस्य   |

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
सुरेन्द्र कुमार राम, संयुक्त सचिव।

सं० 10 नि० (यो०) 04/2016-2414(नि०)

पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग  
(पशुपालन)

#### संकल्प

4 अक्टूबर 2016

पशुपालन प्रक्षेत्र के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों पर तकनीकी परामर्श देने हेतु एक तकनीकी विशेषज्ञ समिति का गठन किया जाता है। इस समिति के अध्यक्ष एवं सदस्य निम्न प्रकार होंगे। यह समिति अगले आदेश/नये तकनीकी समिति के गठन तक प्रभावी रहेगा।

- |   |   |         |
|---|---|---------|
| 1. संयुक्त निदेशक (मु०), पशुपालन निदेशालय, बिहार, पटना। | — | अध्यक्ष |
| 2. निदेशक, पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान, पटना।     | — | सदस्य   |
| 3. परियोजना निदेशक, बी०एल०डी०ए०, पटना।                  | — | सदस्य   |
| 4. महाप्रबंधक, केन्द्रीय कुक्कुट प्रक्षेत्र, पटना।      | — | सदस्य   |

- |   |   |       |
|---|---|-------|
| 5. शोध पदाधिकारी (सामान्य रोग) पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान, पटना।       | — | सदस्य |
| 6. शोध पदाधिकारी (अवि एवं अजा) पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान, पटना।       | — | सदस्य |
| 7. विभागाध्यक्ष, (एस0पी0एम0), बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय, पटना।           | — | सदस्य |
| 8. विभागाध्यक्ष, (गर्भ विज्ञान विभाग), बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय, पटना।  | — | सदस्य |
| 9. विभागाध्यक्ष, (शल्य चिकित्सा विभाग), बिहार पशु चिकित्सा महाविद्यालय, पटना। | — | सदस्य |

**समिति का कार्य एवं दायित्व :-**

- (1) पशु बिमारियों का आकलन कर पशु दवा, औषधियों, उपकरण आदि पर विभाग को परामर्श देना।
- (2) पशु दवा, टीकावधि, उपकरण आदि की सूची दिया जाना ताकि प्राथमिकता के आधार पर उसकी उपलब्धता पर निर्णय लिया जा सके।
- (3) पशु टीकाकरण कार्यक्रम पर वार्षिक कैलेंडर का निर्धारण।
- (4) उपर्युक्त सामानों का निर्धारण में उसके फारमेकोलोजिकल नाम की अनुशंसा की जायेगी न कि उसके ट्रेड का नाम का।
- (5) समय-समय पर विभाग की आवश्यकतानुसार परामर्श दिया जाना।
- (6) पूर्व से गठित तकनीकी विशेष समिति अवक्रमित समझी जायेगी।

**आदेश :-** आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को राजपत्र के अगले अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी एक सौ प्रतियाँ विभाग को उपलब्ध करायी जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
(ह0) अस्पष्ट, अवर सचिव।

**पथ निर्माण विभाग**

**अधिसूचना**

17 दिसम्बर 2016

**सं० प्र०-6/नियम-07/2008 (छाया संचिका) 10242(S)**—बिहार लोक कार्य संविदा विवाद माध्यस्थम् न्यायाधिकरण अधिनियम, 2008 की धारा-21 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए बिहार-राज्यपाल बिहार लोक कार्य संविदा विवाद माध्यस्थम् न्यायाधिकरण नियमावली, 2009 में निम्नलिखित संशोधन दिनांक 01.04.2015 के प्रभाव से करते हैं :-

**संशोधन**

उक्त नियमावली, 2009 के नियम 12 का उप-नियम (2) निम्नलिखित संशोधन द्वारा प्रतिस्थापित किया जायेगा:-  
(2) "राज्य सरकार बिहार प्रशासनिक सेवा अथवा न्यायिक सेवा संवर्ग के पदाधिकारी/बिहार प्रशासनिक सेवा अथवा बिहार न्यायिक सेवा के सेवा निवृत्त पदाधिकारी को सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति कर सकेगी, जो बिहार सरकार में अपर सचिव/विशेष सचिव पंक्ति का पदाधिकारी या राज्य सरकार के अपर सचिव/विशेष सचिव के स्तर के सेवा निवृत्त पदाधिकारी होगा"।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
(ह0) अस्पष्ट, सचिव।

*The 17<sup>th</sup> December 2016*

No. Sec-6/Rule-07/2008 (Chhaya Sanchika) 10242(s)—In exercise of the power conferred in proviso of section-21 of Bihar Public Works Contracts Disputes Arbitration Act, 2008, the Governor of Bihar is pleased to make the following amendment in Bihar Public Works Contracts Disputes Arbitration Tribunal Rules, 2009 with effect from 01.04.2015.

**Amendment**

Sub-rule (2) of Rule 12 of the said Rules, 2009 shall be substituted by the following :- (2) "The State Government may depute officers from Bihar Administrative Service or Bihar Judicial Services cadre or retired officer of Bihar Administrative Service or Bihar Judicial Service as Secretary, who may be an officer of the rank of Additional Secretary/ Special Secretary or a retired officer of the rank of Additional Secretary/Special Secretary to the state Government ".

By order of the Governor of Bihar,  
(Sd.), Illezhible, **Secretary**.

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित ।  
बिहार गजट, 1—571+100-डी0टी0पी0 ।  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>

# बिहार गजट

## का

## पूरक(अ0)

## प्राधिकारी द्वारा प्रकाशित

सं० 8/आ0(राज0उ0)-2-26/2016-354  
मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबन्धन विभाग

संकल्प

25 जनवरी 2017

चूँकि बिहार के राज्यपाल को यह विश्वास करने के कारण है कि श्री प्रियरंजन, प्रभारी अधीक्षक उत्पाद, गोपालगंज के विरुद्ध दिनांक 16.08.2016 को गोपालगंज जिला में हुई जहरीली कांड में अवैध शराब का निर्माण एवं चौर्य बिक्री, व्यापार पर प्रतिबंध लगाने पर असफल, कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता बरतना तथा प्रभावकारी पर्यवेक्षण एवं अधीनस्थ कर्मियों पर नियंत्रण का अभाव आदि आरोप विनिर्दिष्ट है। जैसा कि संलग्न आरोप पत्र प्रपत्र 'क' में वर्णित है।

2. अतएव बिहार के राज्यपाल ने यह निर्णय लिया है कि श्री प्रियरंजन के विरुद्ध संलग्न प्रपत्र 'क' में विनिर्दिष्ट आरोपों के जाँच के लिए उनके विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 17 (2) में विहित रीति में विभागीय कार्यवाही चलायी जाय। इस विभागीय कार्यवाही के लिए, श्री श्रीकृष्ण पासवान, उपायुक्त उत्पाद, पटना-सह-मगध प्रमंडल, पटना (सम्प्रति मुख्यालय में प्रतिनियुक्त) को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

3. श्री प्रियरंजन के विरुद्ध उक्त विभागीय कार्यवाही में श्री जीतेन्द्र सिंह, प्रशाखा पदाधिकारी, प्रशाखा-8 को प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

4. श्री प्रियरंजन से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने बचाव बयान के संबंध में अपना पक्ष रखने हेतु जैसा कि संचालन पदाधिकारी अनुमति दें, उनके समक्ष स्वयं उपस्थित हों।

आदेश:- आदेश दिया जाता है कि संकल्प को बिहार राजपत्र के अगले अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति आरोप पत्र प्रपत्र 'क' के साथ संचालन पदाधिकारी, प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी एवं आरोपी पदाधिकारी को भी उपलब्ध करा दिया जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
अभय राज, विशेष सचिव।

सं० 8/आ0(राज0उ0)-2-27/2016-355

संकल्प

25 जनवरी 2017

चूँकि बिहार के राज्यपाल को यह विश्वास करने के कारण है कि श्री संजय कुमार चौधरी, निरीक्षक उत्पाद, गोपालगंज के विरुद्ध दिनांक 16.08.2016 को गोपालगंज जिला में हुई जहरीली कांड में अवैध शराब का निर्माण एवं चौर्य व्यापार पर प्रतिबंध लगाने में असफल, कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता का अभाव तथा प्रभावकारी पर्यवेक्षण का अभाव आदि आरोप विनिर्दिष्ट है। जैसा कि संलग्न आरोप पत्र प्रपत्र 'क' में वर्णित है।

2. अतएव बिहार के राज्यपाल ने यह निर्णय लिया है कि श्री संजय कुमार चौधरी के विरुद्ध संलग्न प्रपत्र 'क' में विनिर्दिष्ट आरोपों के जाँच के लिए उनके विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 17 (2) में विहित रीति में विभागीय कार्यवाही चलायी जाय। इस विभागीय कार्यवाही के लिए, श्री श्रीकृष्ण पासवान,

उपायुक्त उत्पाद, पटना—सह—मगध प्रमंडल, पटना (सम्प्रति मुख्यालय में प्रतिनियुक्त) को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

3. श्री संजय कुमार चौधरी के विरुद्ध उक्त विभागीय कार्यवाही में श्री जीतेन्द्र सिंह, प्रशाखा पदाधिकारी, प्रशाखा—8 को प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

4. श्री संजय कुमार चौधरी से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने बचाव बयान के संबंध में अपना पक्ष रखने हेतु जैसा कि संचालन पदाधिकारी अनुमति दें, उनके समक्ष स्वयं उपस्थित हों।

**आदेश:—** आदेश दिया जाता है कि संकल्प को बिहार राजपत्र के अगले अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति आरोप पत्र प्रपत्र 'क' के साथ संचालन पदाधिकारी, प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी एवं आरोपी पदाधिकारी को भी उपलब्ध करा दिया जाय।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,  
अभय राज, विशेष सचिव।

सं० 8/आ0(राज0उ0)—2—21/2015—395

### संकल्प

30 जनवरी 2017

विभागीय संकल्प संख्या—1489 दिनांक 16.03.2016 द्वारा श्री अरुण कुमार मिश्र, तत्कालीन अधीक्षक उत्पाद, मुजफ्फरपुर सम्प्रति अधीक्षक उत्पाद कटिहार के विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही में प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी श्री जगदीश गहलौत, अवर सचिव, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के दिनांक 31.01.2017 से सेवा निवृत्त होने के कारण उनके स्थान पर श्री रविन्द्र कुमार शर्मा, उपायुक्त उत्पाद, दरभंगा—सह—कोशी—सह—पूर्वियों प्रमण्डल, दरभंगा (सम्प्रति मुख्यालय) को प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

2. संकल्प की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

3. इसमें सक्षम प्राधिकार की स्वीकृति प्राप्त है।

**आदेश:—** आदेश दिया जाता है कि संकल्प को बिहार राजपत्र के अगले अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति संचालन पदाधिकारी, प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी एवं आरोपी पदाधिकारी को भी उपलब्ध करा दिया जाय।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,  
देवकी नंदन दास, उप—सचिव।

सं० 8/आ0(राज0उ0)—2—30/2014—403

### संकल्प

31 जनवरी 2017

विभागीय संकल्प संख्या—5479 दिनांक 16.12.2014 द्वारा श्री अजय कृष्ण मिश्र, तत्कालीन सहायक निबंधन महानिरीक्षक, मगध प्रमण्डल, गया सम्प्रति निलंबित मुख्यालय—सहायक निबंधन महानिरीक्षक का कार्यालय, तिरहुत प्रमण्डल, मुजफ्फरपुर के विरुद्ध संचालित विभागीय कार्यवाही में प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी श्री जगदीश गहलौत, अवर सचिव, मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के दिनांक 31.01.2017 से सेवा निवृत्त होने के फलस्वरूप उनके स्थान पर श्री अयाज अहमद खॉं, सहायक निबंधन महानिरीक्षक (मुख्यालय) को प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

2. संकल्प की अन्य शर्तें यथावत रहेगी।

3. इसमें सक्षम प्राधिकार की स्वीकृति प्राप्त है।

**आदेश:—** आदेश दिया जाता है कि संकल्प को बिहार राजपत्र के अगले अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति संचालन पदाधिकारी, प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी एवं आरोपी पदाधिकारी को भी उपलब्ध करा दिया जाय।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,  
देवकी नंदन दास, उप—सचिव।

### अधिसूचना

9 फरवरी 2017

सं० 8/आ0(राज0उ0)—2—25/2015—536—श्री रामसुन्दर प्रसाद, तत्कालीन अधीक्षक उत्पाद, लखीसराय सम्प्रति निलंबित, मुख्यालय—मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग, बिहार, पटना के विरुद्ध कर्तव्य के प्रति लापरवाही एवं उदासीनता के कारण चौर्य बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण नहीं रखने के फलस्वरूप सरकारी राजस्व की क्षति, पर्यवेक्षण का अभाव, नियंत्रण की कमी, आदेश का उल्लंघन, वरीय पदाधिकारियों को गुमराह करना, चौर्य बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण रखने में विफलता एवं निरीक्षण का अभाव, अनाधिकृत रूप में अनुपस्थित रहकर आवश्यक कार्यों से व्यवधान उत्पन्न करना एवं अधीनस्थ पदाधिकारियों पर प्रभावी नेतृत्व रखने में अक्षम, अनुचित लाभ के लिए बकाये राशि की वसूली नहीं कर राजस्व की

क्षति पहुँचाना, कर्तव्यहीनता एवं आपराधिक गठजोड़ कर राजस्व की क्षति पहुँचाना, स्पष्टीकरण देने में अनावश्यक विलंब कर निदेशों का उल्लंघन करना आदि आरोपों के लिए विभागीय संकल्प संख्या-3034 दिनांक 27.06.2016 द्वारा विभागीय कार्यवाही संचालित की गयी।

2. संचालन पदाधिकारी-सह-प्रभारी संयुक्त आयुक्त उत्पाद, बिहार, पटना द्वारा दिनांक 08.08.2016 से विभागीय कार्यवाही का जॉच प्रतिवेदन विभाग में समर्पित किया गया। जॉच प्रतिवेदन में आरोप संख्या-2, 3, 5, 6, 7 प्रमाणित नहीं एवं आरोप संख्या-01 को प्रमाणित तथा 04 को आंशिक रूप से प्रमाणित बताया गया है।

3. संचालन पदाधिकारी द्वारा अधीनस्थ पदाधिकारियों की कर्मी दर्शाकर दुकानों पर निगरानी एवं नियंत्रण की मुख्य जवाबदेही अवर निरीक्षक उत्पाद एवं निरीक्षक उत्पाद का बताकर, अनुज्ञप्ति के शर्तों के उल्लंघन के लिए अनुज्ञप्तिधारियों को जिम्मेवार बताकर आरोपी पदाधिकारी को आरोपों से मुक्त बताया जाना उचित प्रतीत नहीं होता है। अपने अधीनस्थ पदाधिकारी की कमी के कारण कार्यालय प्रधान के रूप में अधीक्षक उत्पाद की भूमिका कम नहीं हो सकती है। वस्तुतः कार्यालय प्रधान होने के नाते उनकी यह जिम्मेवारी हो जाती है कि वे स्वयं अवैध शराब के चौर्य बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण रखते, परंतु उनके द्वारा समुचित प्रयास नहीं किया गया। अतएव उक्त आरोप के लिए दोषी प्रतीत होते हैं। जिसके लिए विभागीय पत्रांक-4238 दिनांक 07.09.2016 द्वारा आरोपी पदाधिकारी से द्वितीय बचाव बयान की मांग की गयी। आरोपी पदाधिकारी द्वारा 27.09.2016 को अपना बचाव बयान विभाग में समर्पित किया गया जिसमें आरोपों से मुक्त करने हेतु अनुरोध किया गया है।

4. उक्त के आलोक में आरोपी पदाधिकारी से प्राप्त बचाव बयान एवं संचालन पदाधिकारी के जॉच प्रतिवेदन के पूर्ण विचारोपरांत बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 14 (V) के तहत लघु दण्ड के रूप में “दो वार्षिक वेतनवृद्धियाँ असंचयात्मक प्रभाव से अवरुद्ध करने का दण्ड” अधिरोपित किया जाता है।

5. श्री राम सुन्दर प्रसाद, जिन्हें विभागीय अधिसूचना संख्या-V/ई1-103/2015-4997 दिनांक 02.12.2015 द्वारा निलंबित किया गया था। निलंबन से मुक्त करते हुए उक्त दण्ड के साथ विभागीय कार्यवाही समाप्त की जाती है।

6. इस पर समक्ष प्राधिकार की स्वीकृति प्राप्त है।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
देवकी नंदन दास, उप-सचिव।

सं० 8/आ0(राज0उ0)-2-30/2016-569

#### संकल्प

10 फरवरी 2017

चूँकि बिहार के राज्यपाल को यह विश्वास करने के कारण है कि श्री आनन्द कुमार, तत्का0 प्रभारी सहायक आयुक्त उत्पाद, रोहतास सम्प्रति प्रतिनियुक्त सहायक आयुक्त उत्पाद, गया के विरुद्ध श्री चन्द्रमणि, अवर निरीक्षक उत्पाद, रोहतास को अपने पद का दुरुपयोग कर निलंबित करने एवं बिहार सरकारी सेवक आचार नियमावली, 1976 के प्रतिकूल आचारण आदि आरोप विनिर्दिष्ट है। जैसा कि संलग्न आरोप पत्र प्रपत्र ‘क’ में वर्णित है।

2. अतएव बिहार के राज्यपाल ने यह निर्णय लिया है कि श्री आनन्द कुमार के विरुद्ध संलग्न प्रपत्र ‘क’ में विनिर्दिष्ट आरोपों के जॉच के लिए उनके विरुद्ध बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली 2005 के नियम 17 (2) में विहित रीति में विभागीय कार्यवाही चलायी जाय। इस विभागीय कार्यवाही के लिए श्री श्रीकृष्ण पासवान, उपायुक्त उत्पाद, ई0आई0बी मुख्यालय को संचालन पदाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

3. श्री आनन्द कुमार के विरुद्ध उक्त विभागीय कार्यवाही में प्रशाखा पदाधिकारी, प्रशाखा-7 को प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी नियुक्त किया जाता है।

4. श्री आनन्द कुमार से अपेक्षा की जाती है कि वे अपने बचाव बयान के संबंध में अपना पक्ष रखने हेतु जैसा कि संचालन पदाधिकारी अनुमति दें, उनके समक्ष स्वयं उपस्थित हों।

**आदेश:-** आदेश दिया जाता है कि संकल्प को बिहार राजपत्र के अगले अंक में प्रकाशित किया जाय तथा इसकी प्रति आरोप पत्र प्रपत्र ‘क’ के साथ संचालन पदाधिकारी, प्रस्तुतीकरण पदाधिकारी एवं आरोपी पदाधिकारी को भी उपलब्ध करा दिया जाय।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,  
देवकी नंदन दास, उप-सचिव।



ग्रामीण विकास विभाग

अधिसूचना

7 मार्च 2017

सं० ग्रा०वि०-14(द०)मधु०-03/2015-302990/ग्रा०वि०—श्री शशिकान्त शर्मा, तत्कालीन प्रखंड विकास पदाधिकारी, झंझारपुर, मधुबनी के विरुद्ध उनके पदस्थापन काल में अपने कर्तव्य के प्रति घोर लापरवाही, सरकार के आदेश की अवहेलना, स्वेच्छाचारिता के कारण स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं सरकारी कर्मियों के बीच कटुता फैलाकर विधि-व्यवस्था की गंभीर स्थिति उत्पन्न करने आदि जैसे गंभीर आरोप जैसा कि जिला पदाधिकारी, मधुबनी के पत्रांक- 519/जि०स्था० दिनांक 29.03.2015 द्वारा प्रतिवेदित है, के संदर्भ में विभागीय कार्यालय आदेश संख्या- 226220 दिनांक 31.03.2015 द्वारा श्री शर्मा को निलम्बित करते हुए उनके विरुद्ध विभागीय कार्यवाही संचालित की गई।

2. विभागीय कार्यवाही संचालन के पश्चात् संचालन पदाधिकारी द्वारा समर्पित जाँच प्रतिवेदन की विभागीय समीक्षोपरान्त श्री शर्मा के विरुद्ध एक आरोप आंशिक प्रमाणित पाया गया जिसके लिए इन्हें बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के भाग-5 की कंडिका-14 के तहत विभागीय कार्यालय आदेश सं०- 265780 दिनांक 14.03.2016 द्वारा निलंबनमुक्त करते हुए 'निन्दन' की सजा अधिरोपित की गयी।

3. श्री शर्मा के निलम्बन अवधि के संबंध में बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम 11 (क) एवं (ख) के आलोक में कोई निर्णय नहीं लिया जा सका। श्री कुमार द्वारा समर्पित अभ्यावेदन दिनांक 06.08.2016 पर विचारोपरान्त बिहार सरकारी सेवक (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियमावली, 2005 के नियम 11 (5) एवं (9) के आलोक में निलम्बन अवधि दिनांक 31.03.2015 से 14.03.2016 को कर्तव्य अवधि मानते हुए श्री शर्मा को उस समय मिलनेवाले वेतन एवं भत्ते का 75 (पचहत्तर प्रतिशत) का भुगतान किये जाने का निर्णय लिया गया।

4. उक्त के आलोक में श्री शर्मा को निलम्बन अवधि की उपरोक्त राशि भुगतान की स्वीकृति दी जाती है। भुगतेय राशि में से श्री शर्मा को दी गयी राशि को समायोजित कर शेष राशि भुगतेय होगी।

5. उक्त आदेश पर सक्षम प्राधिकार का अनुमोदन प्राप्त है।

बिहार—राज्यपाल के आदेश से,  
महेन्द्र भगत, उप—सचिव।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,  
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।  
बिहार गजट, 1—571+10-डी०टी०पी०।  
Website: <http://egazette.bih.nic.in>